सरसों अनुसंधान निदेशालय में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री और किसानों के बीच संवाद

वर्तमान समय में खेती में किये गए रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के असंतुलित प्रयोग से खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और किसानों की लागत बढ़ती जा रही है। इसलिए देश माननीय प्रधानमंत्री के मार्गनिर्देशन में प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहा है। किसान प्राकृतिक खेती अपना कर खेती की लागत कम कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती है किसानों के लिए वरदान हैं । यह बात आज केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय में बीज पखवाड़ा एवं अनुसूचित जाति कृषक संवाद कार्यक्रम का उदघाटन करते हुये किसानों से कही। उन्होंने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभों को बताते हुये जीवामृत, बीजामृत तथा घनजीवामृत बनाने की विधियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। श्री कैलाश चौधरी जी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में किसाानों के बीच लोकप्रिय हो रही है और उनके उत्पादन में बढोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि आज हम देश के किसानों एवं वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के कारण खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हैं किन्तु खाद्य तेलों लिए अभी भी हमें दूसरे देशों से खाद्य तेल आयात करना पड़ता है। देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैज्ञानिको द्वारा विकसित उन्नत किस्मों और तकनीको को किसानों द्वारा किसानों द्वारा अपनाना होगा। इसके साथ–साथ उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कृषि कल्याण योजनाओं के बारे में भी किसानों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य नही मिलता है इसलिए भारत सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठनों के गठन के लिए किसानों को प्रेरित कर रही और सहयता प्रदान कर रही है। उन्होनें किसानों से आग्रह किया कि वो मिलकर अपने–अपने क्षेत्रों में 'किसान उत्पादक संगठनों' (एफपीओ) को बनाये जिससे वे अपने फसल उत्पादों में मूल्य संवर्धन करके अधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने कृषि में महिला किसानों के योगदान को रेखांकित करते हुए महिला किसानों की भी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में भरतपुर की सांसद माननीय श्रीमती रंजीता कोली जी ने भी किसानों से संवाद करते हुए देश की खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने भी संस्थान द्वारा किये जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना करते हुए किसानों से सरसों उत्पादन की नवीन तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने माननीय मंत्री जी एवं सासंद महोदया का स्वगात करते हुए संस्थान द्वारा किये गए अनुसंधान कार्यों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. राय ने बताया कि विगत वर्षों में निदेशालय द्वारा विकसित कई उन्नत किस्में जैसे गिरिराज, डीआरएमआर 1165–40, डीआरएमआर 150–35, राधिका एवं ब्रजराज किसानों बीच में बहुत लोकप्रिय हो रही है। उन्होने बताया कि निदेशालय द्वारा सरसों किसानों के हितो के लिए मेरा गॉव मेरा गौरव, प्रथम पक्ति प्रर्दशनों का आयोजन, रेडियों कृषि शिक्षा कार्यक्रम, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, किसान गोष्ठी, मेला आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने यह जानकारी दी कि निदेशालय द्वारा उत्तर–पूर्वी राज्यों मे भी सरसों की खेती को बढावा देने के लिए भी विशेष प्रयास किये जा रहे है।

इस कार्यक्रम में अनुसूचित उपजाति कार्यक्रम के तहत भरतपुर के किसानों एवं किसान महिलाओं को श्री कैलाश चौधरी एवं श्रीमति रंजिता कोली द्वारा सरसों की उन्नत किस्मों का बीज के साथ–साथ एक कम्बल, बैग और कृषि सम्बन्धी पठन सामग्री भी वितरित की गयी। इस कार्यक्रम में करीब 350 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ पंकज शर्मा ने किया।

चौधरी जी

राजस्थान पत्रिका
भरतपुर, शनिवार, 17 सितम्बर, 2022

कृषक संवाद कार्यक्रम में बोले कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी

प्राकृतिक खेती किसानों के लिए वरदान

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भरतपुर. कृषि संबंधी पठन सामग्री वितरित करते अतिथि।

भरतपुर. वर्तमान समय में खेती में किए गए रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के असंतुलित प्रयोग से खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और किसानों की लागत बढ़ती जा रही है। इसलिए देश प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहा है। किसान प्राकृतिक खेती अपना कर खेती की लागत कम कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती किसानों के लिए वरदान है। यह बात केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय में बीज पखवाड़ा एवं अनुसूचित जाति कृषक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभों को बताते हुए जीवामृत, बीजामृत व घनजीवामृत बनाने की विधियों के बारे में भी चर्चा की। साथ ही सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में सांसद रंजीता कोली ने भी किसानों से संवाद करते हुए देश की खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. पीके राय ने मंत्री एवं सासंद का स्वागत करते हुए संस्थान की ओर से किए गए अनुसंधान कार्यों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसूचित उपजाति कार्यक्रम के तहत जिले के किसानों एवं किसान महिलाओं को मंत्री कैलाश चौधरी एवं सांसद रंजीता कोली की ओर से सरसों की उन्नत किस्मों का बीज के साथ-साथ एक कम्बल, बैग और कृषि संबंधी पठन सामग्री भी वितरित की गई। इसमें करीब 350 किसानों ने भाग लिया। संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पंकज शर्मा ने किया।

प्राकृतिक खेती किसानों के लिए वरदान

न्यूज सर्विस/नवज्योति, **भरतपुर।** वर्तमान समय में खेती में किए गए रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के असंतुलित प्रयोग से खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और किसानों की लागत बढ़ती जा रही है। इसलिए देश प्रधानमंत्री के मार्गनिर्देशन में प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहा है। किसान प्राकृतिक खेती अपना कर खेती की लागत कम कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती है किसानों के लिए वरदान हैं। यह बात केंद्रीय कृषि रा यमंत्री, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, कैलाश को बताते हुये जीवामृत, बीजामृत तथा घनजीवामृत बनाने की विधियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में किसाानों के बीच लोकप्रिय हो रही है और उनके उत्पादन में बढोतरी हो रही है। कार्यक्रम में सांसद रंजीता कोली ने भी किसानों से संवाद करते हुए देश की खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने भी संस्थान द्वारा किये जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना करते हुए किसानों से सरसों उत्पादन की नवीन तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. पीके राय ने मंत्री एवं सासंद का स्वगात करते हुए संस्थान की ओर से किए गए अनुसंधान कार्यों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसूचित उपजाति कार्यक्रम के तहत जिले के किसानों एवं किसान महिलाओं को कैलाश चौधरी एवं रंजीता कोली की ओर से सरसों की उन्नत किस्मों का बीज के साथ-साथ एक कम्बल, बैग और कृषि सम्बन्धी पठन सामग्री भी वितरित की गयी।

रक्तदान शिविर व भंडारा आज

अलवर। ब्रह्मलीन संत महंत चांद नाथ योगी पूर्व सांसद अलवर के पंचम स्मृति दिवस एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर को भिवाड़ी में विशाल रक्तदान शिविर सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। अलवर सांसद महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि इस अवसर पर मोहन वाटिका, बाबा मोहन राम गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के पास, मिलकपुर में सुबह 9 बजे पूर्ण यज्ञ आहुति, 9.30 बजे स्वैच्छिक रक्तदान व चिकित्सा शिविर एवं सबह

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
राष्ट्रदूत
हिण्डौन सिटी
epaper.rashtradoot.com
Rashtradoot
फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600 वर्ष: 14 संख्या: 317 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 17 सितम्बर, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्राकृतिक खेती है किसानों के लिए वरदान : कैलाश चौधरी

किसानों एवं किसान महिलाओं को कृषि सम्बन्धी पठन सामग्री वितरित की।

भरतपुर, (निसं)। वर्तमान समय में खेती में किये गए रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के असंतुलित प्रयोग से खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और किसानों की लागत बढ़ती जा रही है। इसलिए देश माननीय प्रधानमंत्री के मार्ग निर्देशन में प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहा है। किसान प्राकृतिक खेती अपना कर खेती की लागत कम कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती है किसानों के लिए वरदान हैं। यह बात आज केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय में बीज पखवाड़ा एवं अनुसूचित जाति कृषक संवाद कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये किसानों से कही।

उन्होंने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभों को बताते हुये जीवामृत, बीजामृत तथा घनजीवामृत बनाने की विधियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में भरतपुर की सांसद रंजीता कोली ने भी किसानों से संवाद करते हुए देश की खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने भी संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए किसानों से सरसों उत्पादन की नवीन तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने बताया कि विगत वर्षों में निदेशालय द्वारा विकसित कई उन्नत किस्में बहुत लोकप्रिय हो रही है। कार्यक्रम में अनुसूचित उपजाति कार्यक्रम के तहत भरतपुर के किसानों एवं किसान महिलाओं को कैलाश चौधरी एवं रंजीता कोली द्वारा सरसों की उन्नत किस्मों का बीज के साथ-साथ एक कम्बल, बैग और कृषि सम्बन्धी पठन सामग्री भी वितरित की गयी। इस कार्यक्रम में करीब 350 किसानों ने भाग लिया।

जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक
हुक्मनामा समाचार
जयपुर, शनिवार, 17 सितम्बर 2022 | मूल्य 2 रु. | पृष्ठ संख्या 8 | आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2003/11926 | वर्ष 19 | अंक 344

प्राकृतिक खेती किसानों के लिए वरदान, कृषक संवाद कार्यक्रम में बोले कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। वर्तमान समय में खेती में किए गए रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के असंतुलित प्रयोग से खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और किसानों की लागत बढ़ती जा रही है। इसलिए देश प्रधानमंत्री के मार्गनिर्देशन में प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहा है। किसान प्राकृतिक खेती अपना कर खेती की लागत कम कर सकते हैं। प्राकृतिक खेती है किसानों के लिए वरदान हैं। यह बात केंद्रीय कृषि रा%यमंत्री, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय में बीज पखवाड़ा एवं अनुसूचित जाति कृषक संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभों को बताते हुये जीवामृत, बीजामृत तथा घनजीवामृत बनाने की विधियों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। कैलाश चौधरी ने सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में किसाानों के बीच लोकप्रिय हो रही है और उनके उत्पादन में बढोतरी हो रही है। कार्यक्रम में सांसद रंजीता कोली ने भी किसानों से संवाद करते हुए देश की खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने भी संस्थान द्वारा किये जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना करते हुए किसानों से सरसों उत्पादन की नवीन तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. पीके राय ने मंत्री एवं सासंद का स्वगात करते हुए संस्थान की ओर से किए गए अनुसंधान कार्यों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसूचित उपजाति कार्यक्रम के तहत जिले के किसानों एवं किसान महिलाओं को कैलाश चौधरी एवं रंजीता कोली की ओर से सरसों की उन्नत किस्मों का बीज के साथ-साथ एक कम्बल, बैग और कृषि सम्बन्धी पठन सामग्री भी वितरित की गयी। कार्यक्रम में करीब 350 किसानों ने भाग लिया। संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ पंकज शर्मा ने किया।